

प्रगतिशील खेती

वर्ष : जुलाई 2022, अंक : 02

मुख्य संस्कार
डा. गणा प्रसाद

पूर्व कुलपति, सरदार बलभ भाई पटेल
कृषि एवं अभियान्त्रिकी विश्वविद्यालय, मेरठ

मार्ग दर्शक मण्डल
डा. आर्टी श्रीवास्तव

पूर्व कुलपति, डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूरा, समस्तीपुर

डा. अर्पिन्द कुमार
पूर्व कुलपति, रानी लक्ष्मीबाई
केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी

डा. केके सिंह

पूर्व सहायक महानिदेशक (इन्जी.) भाकृअनुप
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
प्रधान संपादक

डा. वेद प्रकाश चौधरी

प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप - भारतीय
कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मेरठ

सह: संपादक

डा. डी एन डेनिश

विभागाध्यक्ष, सैम हिंगनबाटम कृषि
अभियन्त्रिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज

विनेय कुमार सिंह (इन्जीनियर)

अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई

विभाग उद्यम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

डा. राम चन्द्र

सहायक प्राध्यापक, भारतीय
प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली

डा. निशा वर्मा

वैज्ञानिक, भाकृअनुप - भारतीय कृषि
प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मेरठ

संपादक मण्डल

डा. संजय कुमार पटेल

डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय

कृषि विश्वविद्यालय, पूरा, समस्तीपुर

डा. एनके सिंह

भाकृअनुप - भारतीय गना

अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

डा. हरीलाल कुथवाहा

भाकृअनुप - भारतीय कृषि

अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

डा. कुशाग्रा जोशी

भाकृअनुप - विवेकानन्द पर्वतीय

कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा

डा. सौरभ वर्मा

नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी

विश्वविद्यालय, अयोध्या

डा. नवीन चन्द्र साही

गोविन्द बलभ पंत कृषि एवं

प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर

डा. राकेश कुमार

केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, पंतनगर

दिनेश कुमार पाण्डे

भाकृअनुप - भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान
संस्थान, मेरठ

विषय सूची

04 छोटे घास के बीजों की गोलीकरण मरीनों का विकास और मूल्यांकन

32 सब्जी उत्पादन में जैव उर्वरकों का महत्व

38 पुआल प्रबंधन में पंजाब कृषि विवि की भूमिका

• एस. के. वर्मा • हरिओम कटियार
• एस. के. लोधी

10 जल निकासी: तकनीक से काली मिट्टी की उत्पादकता में वृद्धि

42 शतावरी की खेती और उसके व्यावसायिक महत्व

• राकेश कुमार

44 कहू की उपयोगिता एवं वैज्ञानिक खेती से लाभ

• नीतू • वृजेश कुमार मौर्या
• श्रवण कुमार मौर्या • सोरभ

14 गन्ना फसल अवशेष प्रबंधन के लिए पर्यावरण के अनुकूल मरीनीकरण विकल्प

48 बुंदेलखण्ड की महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार हेतु फल-सजियों का महत्व

• वंदना कुमारी • संजय कुमार सिंह • शरद कुमार द्विवेदी

24 आधुनिक कृषि में प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग

52 गाय का जैविक खेती में महत्व

• सुरेश मलिक • ललित कुमार • पी. एस. पुनिया
• लक्ष्मण राम मीणा • देवेंद्र कुमार

खंडन

लेखों में व्यक्त विचारों, जानकारियों, आकड़ों इत्यादि के लिये लेखक स्वयं निष्पेदार हैं, जिसके लिये संपादक प्रगतिशील खेती की सहमति आवश्यक नहीं है। प्रत्रिका में प्रकाशित लेखों और अन्य सामाजीका कॉपीराइट आदि का संपादक मण्डल के पास सुरक्षित है। इन्हे पुनः प्रकाशन हेतु संपादक से अनुमति आवश्यक है।

प्रकाशक: श्रीमती सुधा चौधरी
प्रगति इन्टरनेशनल साइंटिफिक रिसर्च फाउन्डेशन, मेरठ